प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.**39/2021)**

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 27 **अगस्त**, 2021

तुरंत जारी करने हेतु वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

”31 **मार्च**, 2021 **को समाप्त तिमाही के लिए**
“भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट”

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने **31** मार्च**, 2021** को समाप्त तिमाही के लिए “भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट” जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा **1** जनवरी**, 2021** से **31** मार्च**, 2021** की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन**,** डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट **www.trai.gov.in** पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री एम.पी. तँगिराला**,** प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए)**,** भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण**,** नई दिल्ली से दूरभाश-**011-23221856** एवं ई-मेल mptangirala@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

RAGHUNANDAN VARTHAKAVI

(वी. रघुनन्दन)
सचिव, **भा.दू.वि.प्रा.**

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट

जनवरी से मार्च, **2021**

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2020 के अंत में 1,173.83 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 1,201.20 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 2.33 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 1.97 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 31 दिसम्बर, 2020 को 86.38 प्रतिशत से बढ़कर 31 मार्च, 2021 को 88.17 प्रतिशत रहा।

<u>देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान</u>

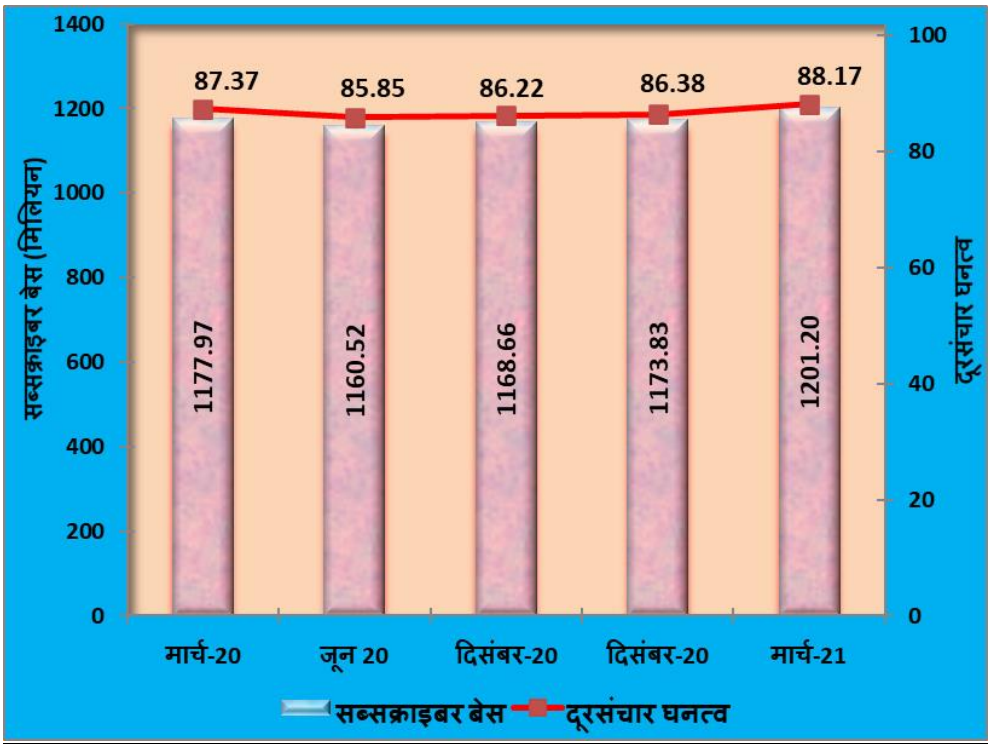

2. दिसम्बर, 2020 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 647.91 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 663.77 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व 138.34 प्रतिशत से बढ़कर 141.03 प्रतिशत हो गया।

3. इस तिमाही के दौरान ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 525.92 मिलियन से बढ़कर 537.42 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 59.05 प्रतिशत से बढ़कर 60.27 प्रतिशत हो गया।

4. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी दिसम्बर, 2020 के अंत तक 44.80 प्रतिशत से घटकर मार्च, 2021 के अंत तक 44.74 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

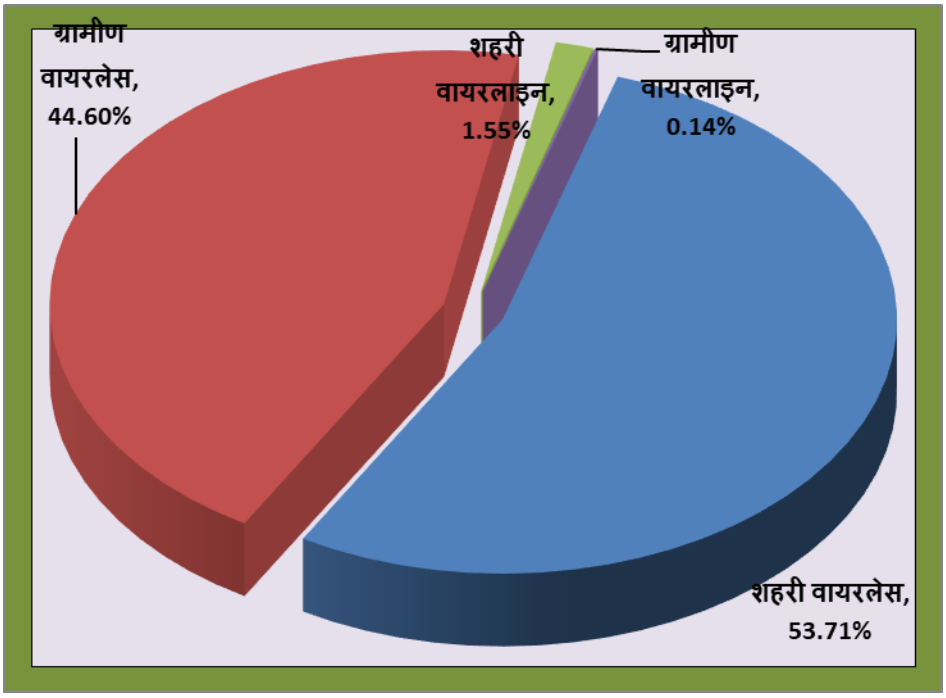

5. इस तिमाही के दौरान 27.18 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ ही दिसम्बर, 2020 के अंत तक कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 1,153.77 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 1,180.96 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 2.36 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी

दौरान वर्षिक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

6. वायरलेस दूरसंचार घनत्व 2.10 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर के साथ दिसम्बर, 2020 के अंत में 84.90 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 86.68 प्रतिशत हो गया।

7. वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2020 के अंत में 20.05 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 20.24 मिलियन हो गयी जिसमें 0.94 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई और मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 0.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

8. वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 0.68 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर के साथ दिसम्बर, 2020 के अंत में 1.48 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 1.49 प्रतिशत हो गया।

9. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या दिसम्बर, 2020 के अंत में 795.18 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 825.30 मिलियन हो गई जिसमें 3.79 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 825.30 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 26 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 799.31 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

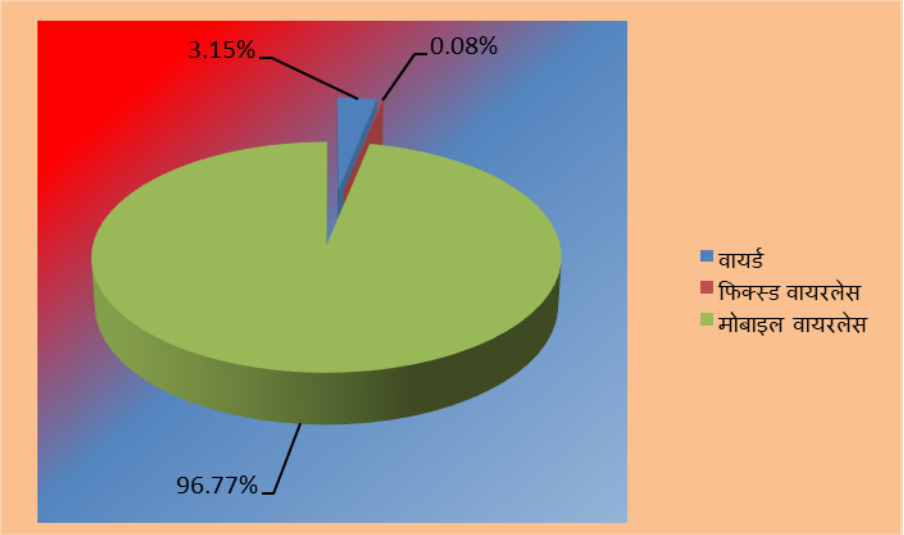

10. इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या में ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 778.09 मिलियन और नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 47.21 मिलियन है।

11. ब्राडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2020 के अंत में 747.41 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 778.09 मिलियन हो गई जिसमें 4.11 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2020 के अंत में 47.77 मिलियन से घटकर मार्च, 2021 के अंत में 47.21 मिलियन रही जिसमें 1.18 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई।

12. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 1.90 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर के साथ दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही को 101.65 रुपए से बढ़कर मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही में 103.58 रुपए हो गया। इसी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयू में 13.21 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो गया।

13. वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही को 95 रूपए से बढ़कर मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही में 97 रूपए हो गया परन्तु इसी तिमाही के दौरान प्रतिमाह पोस्ट-पेड एआरपीयू भी 227 रुपए से घटकर 226 रुपए हो गया।

14. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए 4.12 प्रतिशत वृद्धि की दर के साथ समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए 785 मिनट से बढ़कर मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही के लिए 818 मिनट हो गया।

15. वारयलेस प्रीपेड सेवा के लिए दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह 793 मिनट से बढ़कर मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही में 829 मिनट हो गया। पोस्ट-पेड एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही में 631 मिनट से घटकर मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही में 597 मिनट हो गया।

16. मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमश: 66,784 करोड़ रुपए तथा 48,587 करोड़ रुपए रहा। मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 6.17 प्रतिशत की कमी तथा एजीआर में 2.03 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

17. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः -1.11 प्रतिशत तथा 8.12 प्रतिशत दर्ज की गई।

18. मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही के लिए पास-थ्रू-प्रभार पिछले तिमाही के 23,966 करोड़ रुपए से घटकर 18,196 करोड़ रुपए हो गया। पास-थ्रू-प्रभार में तिमाही कमी दर 24.07 प्रतिशत और वार्षिक कमी दर 19.46 प्रतिशत रही।

19. दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 3,809 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2021 में 3,979 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 4.44 प्रतिशत तथा 10.40 प्रतिशत रही।

<u>समायोजित सकल राजस्व का वितरण</u>

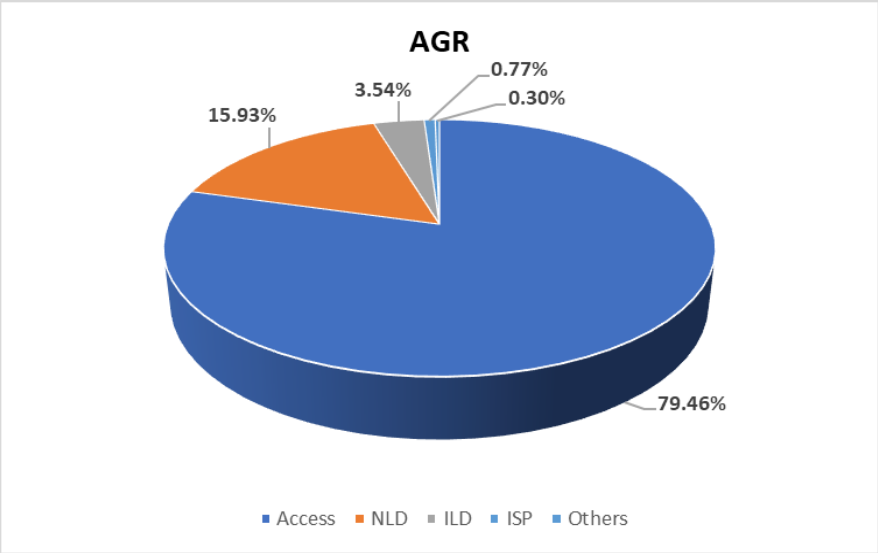

20. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 79.46 प्रतिशत का योगदान दिया। मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) एवं पास-थ्रू प्रभारों में क्रमशः -5.99 प्रतिशत, 0.88 प्रतिशत, 3.12 प्रतिशत, 0.14 प्रतिशत एवं -23.06 प्रतिषत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

21. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वायरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया हैः -

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	**सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड**
• मीन टाइम टू रिपेयर (एमटीटीआर) ≤10 घंटे • काल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच 95 प्रतिशत • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वायस टू वायस) द्वारा उत्तर दी गई कालों का प्रतिशत ≥95%	• अगले कार्य दिवस में खामियों को ठीक करने का प्रतिशत (शहरी क्षेत्रों में) ≥ 85%

22. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में वायरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया हैः-

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	**सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड**
• डाऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीएस (प्रतिशत) • काल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • खाता बंद करने के पश्चात् जमा राशी को वापिस देने के लिये लिया गया समय	• 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वायस टू वायस) द्वारा उत्तर दी गई कालों का प्रतिशत

23. दिनांक 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केवल अपलिकिंग/केवल डाऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये 901 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

24. नये टैरिफ आदेश (ब्राडकास्टिंग एवं केबल) दिनांक 3 मार्च, 2017 के तत्वाधान में प्रसारण सेवा प्रदाताओं के द्वारा प्राधिकरण में दिये गये रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार कुल 327 सॅटॅलाइट पे-टीवी चैनल हैं। इन 327 सॅटॅलाइट पे-टीवी चैनलों में 235 एसडी सॅटॅलाइट पे-टीवी चैनल एवं 92 एचडी सॅटॅलाइट पे-टीवी चैनल शामिल है।

25. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। देश में पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या मार्च, 2021 के अंत में 4 थी।

26. देश में पे-डीटीएच के कुल औसत सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 31 मार्च, 2021 को लगभग 69.57 मिलियन हो गई है। यह संख्या दूरदर्षन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है।

27. आल इंडिया रेडियो-सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 31 मार्च, 2021 को 30 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 105 शहरों में कुल 366 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे थे।

28. प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञापन से प्राप्त कुल आय 31 दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही में 366 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 323.01 करोड़ रूपये की तुलना में 31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही में 365 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 321.52 करोड़ रूपये रहा।

29. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 मार्च, 2021 को देश में कुल 324 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियां

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार डाटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,201.20 मिलियन
पिछले तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	2.33 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	663.77 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	537.42 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.05 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.95 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	88.17 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	141.03 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	60.27 प्रतिशत
वायरलैस उपभोक्ता	
कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या	1,180.96 मिलियन
पिछली तिमाही पिछली तिमाही पिछली तिमाही पिछली तिमाही	2.36 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	645.20 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	535.75 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.68 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.32 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	86.68 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	137.08 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	60.08 प्रतिशत
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	27,799 पेगाबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	64,175
वीसैट की कुल संख्या	2,93,632
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	20.24 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.94 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	18.57 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	1.67 मिलियन
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	47.20 प्रतिशत
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	52.80 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.49
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.19
शहरी दूरसंचार घनत्व	3.95
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	68,606
पब्लिक काल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	126,108

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	66,784 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-6.71 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	48,587 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.03 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	5.93 प्रतिशत
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	825.30 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	3.79 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	47.21 मिलियन
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	778.09 मिलियन
वाययलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	25.99 मिलियन
वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	799.30 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	502.53 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	322.77 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	60.73
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	107.30
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की	36.24
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिकिंग/केवल डाऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	901
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किये गये पे-टीवी चैनलों की संख्या	327
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	366
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या	69.57 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	324
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	103.58 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	818 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (आऊटगोईंग) उपयोग मिनट	174.89 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डाटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह औसत डाटा उपयोग	12.33 जीबी
तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का ग्राहक के लिए औसत मूल्य	10.77 रुपए